प्रकाशनार्थ

बी.आर.डी. मेडिकल कालेज, गोरखपुर एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के मध्य आज स्वास्थ्य सेवा, स्वास्थ्य शिक्षा एवं शोध को आपसी सहयोग एवं समझ आधारित अनुबन्ध से गोरखपुर ने आरोग्यता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। बी.आर.डी. मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. गणेश कुमार एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई ने बी.आर.डी. मेडिकल कालेज के प्रो. (डॉ.) राजकुमार एवं प्रो. (डॉ.) अमरेश सिंह एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव की उपस्थिति में दोनों संस्थाओं के मध्य जारी साझे अनुबन्ध पत्र पर हस्ताक्षर किए। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोगों के साथ प्रारम्भ इन दोनों संस्थानों के मध्य ज्ञान-विज्ञान की साझेदारी एवं आपसी सहयोग गोरखपुर में स्वास्थ्य सेवा, स्वास्थ्य शिक्षा एवं शोध को एक उच्च स्तरीय मुकाम देने की एक ठोस पहल है।

दोनों संस्थाओं के बीच समझौता-पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए आह्लादित बी.आर.डी. मेडिकल कालेज गोरखपुर की प्राचार्य डॉ. गणेश कुमार ने कहा कि हम गोरखपुर में बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध हैं। बी.आर.डी. मेडिकल कालेज गोरखपुर एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों का आपसी तालमेल, ज्ञान एवं तकनीक के आदान-प्रदान से हम गोरखपुर के नागरिकों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान कर सकेंगे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई ने कहा कि गोरखपुर में एक मॉडल स्वास्थ्य तन्त्र खड़ा करने की दिशा में

हम आगे बढ़ रहे हैं। एम्स और बी.आर.डी. मेडिकल कालेज के साथ हो चुका अनुबन्ध गोरखपुर की आम जनता के लिए सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने का एक मजबूत मंच होगा। यह प्रयोग स्वास्थ-सेवा का एक ऐसा अभिनव प्रकल्प होगा जो किसी भी रोगी को वह कहीं भी चिकित्सकीय सेवा के लिए भरती हो, उसे उपर्युक्त संस्थाओं के विशेषज्ञों की सुविधा प्राप्त हो सकेगी।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय एवं बी.आर.डी. मेडिकल कालेज के एक दूसरे के मध्य चिकित्सकीय परामर्श, चिकित्सकों के आपसी सहयोग, संयुक्त रूप से नित-नूतन शोध प्रकल्पों पर कार्य, नर्सिंग सेवा की उपलब्धता, दक्ष पैरामेडिकल कर्मचारियों की उपलब्धता, स्वास्थ्य के क्षेत्र में आ रही नई चुनौतियों का शोधपूर्ण ढंग से सामना करने, इत्यादि बहुआयामी क्षेत्रों में आपसी सहयोगाधारित प्रयत्नों को बढ़ाने की दिशा में आपसी अनुबन्ध किए हैं।